।। तमसो मा ज्योतिर्गमय ।।

# * परिचय चर्तुर्थ *

## विवेकानन्द विद्या आश्रम महाविद्यालय, कातर छोटी

## विवरणिका, सत्र : 2024-25

# विवेकानन्द विद्या आश्रम महाविद्यालय, एक परिचय...

आधुनिक शिक्षा नगरी कातर छोटी में उच्च शिक्षा का समुचित प्रबन्ध करने के उद्देश्य से संस्था निदेशक रामचन्द्र लेघा के अथक, गम्भीर प्रयासों के फलस्वरुप वर्ष 2012-13 में इस महाविद्यालय की स्थापना की गयी।

महाविद्यालय का प्रबंध तंत्र महाविद्यालय के वित्त एवं विकास कार्यों की समुचित व्यवस्था करता है। नोखा-सीकर राज्य राज मार्ग पर कातर छोटी कस्बे में यह महाविद्यालय अवस्थित है। यह आधुनिक विशाल पुस्तकालय, बहुउद्देशीय ऑडिटोरियम तथा सुसज्जित प्रयोगशालाओं से युक्त कातर छोटी का महाविद्यालय है। सह-शिक्षा के स्वस्थ वातावरण में यह महाविद्यालय इस क्षेत्र की उच्च शिक्षा की आवश्यकताओं का पूर्ण करते हुए अध्ययन एवं शोध कार्यों हेतु स्वस्थ वातावरण प्रदान करता है। भारत सरकार, राजस्थान सरकार, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के अनुरुप वर्तमान में स्नातक कक्षाओं में बी.ए., बी.एस.सी. तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में एम.ए. भूगोल, हिन्दी साहित्य, राजनैतिक विज्ञान तथा एम.एस.सी. भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, गणित हेतु रुचि आधारित क्रेडिट पद्धति अपनाकर तदानुसार ही महाविद्यालय में पठन-पाठन तथा परीक्षाएँ संचालित की जाती है। महाविद्यालय की सम्पूर्ण जानकारी के लिए महाविद्यालय की वेबसाईट www.vivekanandkatar.org पर विजिट कर सकते हैं।

**महाविद्यालय में प्रवेशार्थियों के प्रवेश भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकार, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के नियमानुसार नई शिक्षा नीति के तहत होते हैं।**

## स्नातक स्तर पर अध्ययन पाठ्यक्रम :-

**(क) कला संकाय स्नातक स्तर पर निम्नलिखित विषयों में मान्यता प्राप्त है :-**

(1) हिन्दी साहित्य (2) अंग्रेजी साहित्य (3) संस्कृत साहित्य (4) अर्थशास्त्र
(5) राजनीति शास्त्र (6) इतिहास (7) भूगोल

**(ख) विज्ञान संकाय स्नातक स्तर पर निम्नलिखित विषयों में मान्यता प्राप्त है :-**

(1) भौतिक विज्ञान (2) रसायन विज्ञान (3) जीव विज्ञान
(4) वनस्पति विज्ञान (5) गणित

## PG स्तर पर अध्ययन पाठ्यक्रम :-

**(क) कला संकाय PG स्तर पर निम्नलिखित विषयों में मान्यता प्राप्त है :-**

(1) भूगोल (2) हिन्दी साहित्य (3) राजनीति विज्ञान

**(ख) विज्ञान संकाय PG स्तर पर निम्नलिखित विषयों में मान्यता प्राप्त है :-**

(1) भौतिक विज्ञान (2) रसायन विज्ञान (3) वनस्पति विज्ञान
(4) प्राणी विज्ञान (5) गणित

NOTE : प्रवेशार्थी विषय चयन सम्बन्धि सूचना पढ़कर ही विषयों का चयन करें। गलत विषय चयन करने के पश्चात् होने वाली हानि का उत्तरदायित्व केवल छात्र का ही होगा। महाविद्यालय द्वारा स्नातक कक्षाओं (बी.ए. एवं बी.एस.सी) हेतु सेमेस्टर प्रणाली अपनाई गयी है।

## सेमेस्टर प्रणाली के नियम :

1. विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुसार स्नातक उपाधि तीन वर्षों (अधिकतम छः वर्षों) में प्राप्त की जा सकती है। प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में दो सेमेस्टर (तीन वर्षों में कुल छः सेमेस्टर) होंगें।
2. प्रत्येक छात्र/छात्रा की उपस्थिति का विवरण सम्बन्धित विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य से अग्रसित कर विश्वविद्यालय को प्रेषित करना अनिवार्य है। केवल 75% अथवा इससे अधिक उपस्थिति वाले छात्रों को ही सम्बन्धित सेमेस्टर की परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति होगी।
3. सभी छात्रों को सम्बन्धित कक्षा के सम्बन्धित सेमेस्टर में अनिवार्य रुप से पाठ्यक्रमों की महाविद्यालय स्तर पर आयोजित आन्तरिक परीक्षाओं एवं सेमेस्टर के अन्त में सम्बन्धित विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सम्मिलित होना होगा।
4. सेमेस्टर के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित परीक्षायें सम्बन्धित विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथियों से सम्पन्न होगी।
5. बी.ए. प्रथम सेमेस्टर योग्यता प्रदायी परीक्षा में न्युनतम 36% अंक लाने अनिवार्य है।
6. बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर योग्यता प्रदायी परीक्षा में न्युनतम 36% अंक लाने अनिवार्य है।

## प्रवेश सम्बन्धि आवश्यक निर्देश :

**महाविद्यालय द्वारा प्रस्तावित किसी भी पाठ्यक्रम / कार्यक्रम में आवेदन के इच्छुक आवेदकों को परामर्श दिया जाता है कि अपनी रुचि के विषय चुनने और आवेदन पत्र भरने से पूर्व सभी नियमों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें।**

1. प्रवेश आवेदन पत्र पर स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (TC) तथा चरित्र प्रमाण पत्र (CC) मूल रुप से संलग्न करना आवश्यक है, किसी अन्य विश्वविद्यालय के छात्र को प्रवजन प्रमाण पत्र जमा करवाना आवश्यक है।
2. प्रवेश हेतु विद्यार्थी को मूल प्रमाण पत्रों के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है।
3. प्रवेश आवेदन के साथ अंकतालिका एवं खेल तथा अन्य प्रमाण–पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतिलिपियां लगाई जानी आवश्यक है।
4. अभ्यर्थी निर्धारित तिथि से पूर्व तक प्रवेश आवेदन कार्यलय में जमा कर दें।
5. प्रत्येक छात्र को प्रवेश के लिए अन्तिम अधिसुचना से पूर्व एक साथ वार्षिक शुल्क जमा करवाना होगा।
6. आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी को निर्धारित प्रमाण–पत्र संलग्न करना होगा।
7. पासपोर्ट साईज के नवीनतम व रंगीन फोटो निर्धारित स्थानों पर लगाना होगा।

## पुस्तकालय :

महाविद्यालय पुस्तकालय को विविध विषयों की नवीनतम पुस्तकों से समृद्ध किया गया है। प्रतिवर्ष प्रकाशित होने वाली नवीनतम पुस्तकें इसमें सम्मिलित की जाती है। वाचनालय में अपने नाम से पुस्तक या पत्रिका वहीं बैठकर पढ़ने के लिए प्राप्त की जा सकेगी। 250 से अधिक विद्यार्थी एक साथ बैठकर पुस्तकालय सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। पुस्तकालय सुविधा का उपयोग करने हेतु प्रत्येक विद्यार्थी को इस विवरण पत्रिका में छपे नियमों का पालन करना होगा। अपने नाम से ही पुस्तकें प्राप्त की जा सकती है। विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाओं से पूर्व सभी पुस्तकें पुस्तकालय में जमा करना अनिवार्य है।

**पुस्तकालय से सम्बन्धी नियम :–**

1. पुस्तकालय नियमों का पालन न करने पर विद्यार्थी को पुस्तकालय की सदस्यता से वंचित कर दिया जायेगा।
2. पुस्तकालय भवन में शोर करना, अधिक बोलना, अशान्ति फैलाना व मोबाईल फोन का इस्तेमाल वर्जित है।
3. पुस्तकालय की पुस्तकों का इस्तेमाल केवल पुस्तकालय में ही किया जा सकता है, बाहर या घर ले जाना वर्जित है।
4. पुस्तकालय में बैठकर विद्यार्थी ऑनलाइन परीक्षाओं की तैयारी कर सकता है।
5. पुस्तकालय में Wi-Fi की सुविधा उपलब्ध है।

## प्रयोगशालाएँ:

**महाविद्यालय में अधिकांशत: विषय क्रियाकलाप होने के कारण महाविद्यालय में विभिन्न विषयों की प्रयोगशालाओं की व्यवस्था की गयी है। जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।**

**भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला** (Physics Laboratory)

**रसायन विज्ञान प्रयोगशाला** (Chemistry Laboratory)

**जीव विज्ञान प्रयोगशाला** (Biology Laboratory)

**कम्प्यूटर प्रयोगशाला** (Computer Lab with Wi-Fi)

## सांस्कृतिक मण्डल :

महाविद्यालय में एक सांस्कृतिक मण्डल भी है। समय–समय पर होने वाले कार्यक्रमों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलकियाँ प्रस्तुत करने के लिए यह मण्डल उत्तरदायी है इसमें छात्रों की गायन, वादन, नृत्य, चित्रकला, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आदि में रुचि होने पर शामिल किये जाते हैं। महाविद्यालय अथवा अन्यत्र आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में इस मण्डल के छात्र–छात्राएँ भाग लेते है तथा अपने कार्यक्रमों को प्रस्तुत करते हैं।

## काली बाई भील मेधावी स्कुटी वितरण :

राजस्थान सरकार द्वारा प्रतिवर्ष कक्षा 12 में अच्छे अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को नि:शुल्क स्कुटी प्रदान की जाती है। महाविद्यालय में हर वर्ष कई बालिकाओं का राजस्थान सरकार द्वारा स्कुटी प्रदान की जाती है तथा वे अपनी उच्च शिक्षा को आसानी से प्राप्त कर सकती है। प्रतिवर्ष महाविद्यालय की अनेक छात्राएँ राज्य सरकार की इस योजना का लाभ ले रही हैं।

## NCC / NSS / SCOUT :

महाविद्यालय में छात्रों का NCC और NSS की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करके उन्हें सामाजिक और नैतिक शिक्षा प्रदान करना सुनिश्चित करता है। महाविद्यालय की NCC इकाई छात्रों में अनुशासन और देशभक्ति के गुणों को विकसित करने का कार्य करती है। सतत् इकाई का उद्देश्य छात्रों में सामाजिक कल्याण की भावना पैदा करना और बिना किसी पक्षपात के समाज को सेवा प्रदान करना है। छात्रों को प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं में समाज की मदद करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्वयं सेवक निम्नलिखित गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं:–

(1) सफाई

(2) वनीकरण

(3) सामाजिक समस्याओं शिक्षा और स्वच्छता जैसे मुद्दों के बारे में जागरुकता पैदा करने वाले स्टेज शो या जुलुस।

(4) जागरुकता रैलियाँ।

(5) स्वास्थ्य शिविरों के लिए डॉक्टरों को आमन्त्रित करना।

महाविद्यालय में स्काउटिंग और गाइडिंग गतिविधियाँ चरित्र प्रशिक्षण और अच्छे नागरिक बनने में मदद करती है।

## महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित खेल–कूद प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय :

MGSU द्वारा आयोजित विभिन्न खेल–कूद प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ विभिन्न प्रकार के खेल कबड्डी, बॉलीबॉल, खो–खो, टेनिस, टेबल टेनिस, जुड़ो, हॉकी, क्रिकेट, एथेलेटिक्स, बेसबॉल, फुटबॉल, शतरंज, बॉस्केट बॉल, जिमनास्टिक, मैराथन दौड़ आदि में भाग लेते हैं तथा इन प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने वाले उत्कृष्ट छात्र और छात्राओं को पुरस्कृत किया जाता है तथा ये छात्र–छात्राएँ आगे भी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए चुने जाते हैं। महाविद्यालय में इन प्रतियोगिताओं के लिए छात्र–छात्राओं को उत्कृष्ट कोच के द्वारा तैयार किया जाता है, जिससे वे अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित कर पाते हैं।

## महाविद्यालय में खेल–कूद प्रतियोगिताएँ :

महाविद्यालय में खेल–कूद प्रतियोगिताओं को विशेष महत्व दिया जाता है। महाविद्यालय प्रतिवर्ष एक खेल सप्ताह का आयोजन किया जाता है। संस्था निदेशक की उपस्थिति में विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाता है, खेल शारीरिक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण भाग है। खेल सप्ताह में पुरे सप्ताह विभिन्न कक्षाओं की अलग–अलग टीमें बनाकर अनेक कबड्डी, खो–खो, बॉलीबॉल, क्रिकेट, गोला फैंक, लम्बी कूद, ऊँची–कूद, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1600 मीटर दौड़, तस्तरी फैंक तथा अन्य छोटे–बड़े खेलों का आयोजन किया जाता है। इन खेलों मे छात्र–छात्राएँ बड़ी अभिरुचि, लगाव, शांति, अनुशासन के साथ भाग लेते हैं। अंतिम दिन संस्था निदेशक, प्राचार्य एवं खेल प्रशिक्षकों द्वारा अव्वल रहने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया जाता है।

महाविद्यालय द्वारा विशेष रुप से इन प्रतियोगिताओं का आयोजन युवा दिवस (12 जनवरी), खेल दिवस (29 अगस्त) आदि के उपलक्ष पर किया जाता है।

## समाज कल्याण में सामाजिक जिम्मेदारी एवं महाविद्यालय :

महाविद्यालय में समाज कल्याण के लिए विभिन्न प्रकार की समाज कल्याण योजनाएँ और केम्प का आयोजन किया जाता है। ये योजनाएँ और केम्प निम्न प्रकार है:–

**(1) रक्त दान शिविर :–** " रक्तदान एक महादान है।" इसके जैसा कोई दुसरा दान नहीं है। महाविद्यालय हर वर्ष स्वामी विवेकानन्द जयन्ती (12 जनवरी) पर रक्त दान शिविर का आयोजन करता है। जिसमें महाविद्यालय के अध्यापकों की युवा टीम, महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ तथा अन्य समाज के जागरुक लोग रक्त का दान करते हैं। विगत कुछ वर्षों से महाविद्यालय में रक्त दान शिविर में बीकानेर अस्पताल PBM की टीम यहाँ रक्त के लिए पहुँचती है वर्ष 2024 में PBM के चिकित्सकों को 148 युनिट रक्त पहुँचाया गया जो की समाज कल्याण के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

**(2) उच्चतम शिक्षा के लिए बालिकाओं को छात्रवृत्तियाँ :–** महाविद्यालय समाज में बालिकाओं की स्थिति सुधारने के लिए विभिन्न छात्रवृत्तियाँ देता हैं। महाविद्यालय बालिकाओं के शैक्षिक शुल्क में 1000 रुपये की छूट प्रदान की जाती है। राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहन के रुप में दी गयी छात्रवृत्तियाँ, कालीबाई भील मेधावी स्कूटी योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्ति, समाज कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जिससे बालिकाएँ अपनी उच्च शिक्षा को आसानी से पूर्ण कर सकती है तथा अपने सपनों को साकार कर सकती है।

**(3) परिंडे लगाओ पक्षी बचाओ अभियान :–** महाविद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाये गये हैं। महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा आस–पास के गाँवों और कस्बों में जाकर पक्षियों के लिए पानी के परिंडे बाँधे जाते हैं तथा इस ओर गाँव के लोगों को प्रेरित किया जाता है।

**(4) महाविद्यालय द्वारा सफाई अभियान :–** महाविद्यालय में समय–समय पर सफाई अभियान चलाकर आस–पास के गाँवों, कस्बों, मौहल्लों में सफाई की जाती है। महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ स्वच्छ भारत मिशन के तहत सफाई अभियान की पहल के साथ गाँवों में गंदी नालियों, सड़कों के आस–पास अनावश्यक झाड़ियों और पौधों को हटाकर सड़कों पर बिखरी प्लास्टिक की थैलियों को हटाकर, महाविद्यालय परिसर में सफाई कर स्वच्छता की तरफ लोगों को जागरुक करते हैं। गाँवों में सफाई की रैलियाँ निकालकर, सफाई के नारे लगाकर समाज के लोगों को स्वच्छता रखने का संदेश देते हैं।

**(5) बालिका जन्म पर बधाई :–** महाविद्यालय द्वारा कन्या भ्रूण हत्या और लिंगानुपात के आधार पर बालक, बालिका में भेदभाव और दहेज प्रथा जैसी विसंगतियों को मिटाने के लिए समाज में बेटी के जन्म पर चाँदी का नजरा, मिठाई व बधाई संदेश भेजकर बधाई दी जाती है, जो कि सामाजिक जागरुकता की विशेष पहल है।

**(6) विभिन्न जागरुक रैलियाँ :–** महाविद्यालय के छात्रों द्वारा समय–समय पर महाविद्यालय से आस–पास के गाँवों, कस्बों में विभिन्न जागरुक रैलियाँ निकाली जाती है। जिसमें मतदाता जागरुकता, बाल विवाह निषेध, पर्यावरण संरक्षण, पोलियो जागरुकता, जागरुक नागरिक कार्यक्रम, स्वच्छ भारत मिशन, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ओ शामिल है। इन रैलियों के माध्यम से लोगों को अपने समाज और देश के प्रति जागरुक रहने के लिए प्रेरित किया जाता है।

## सामाजिक जागरुकता कार्यक्रम :

**वृक्षरोपण :–** महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ महाविद्यालय परिसर में और समुदाय में पेड़ लगाकर ग्रीन ड्राइव आयोजित करते हैं। राज्य में हरियाली बढ़ाने की पहल महाविद्यालय में पौधे लगाकर की जाती है। जिससे स्थानीय समुदायों में पौधों की विविधता और परिस्थितियों की जागरुकता बढ़ती है।

**वोट देने की आवश्यकता :–** महाविद्यालय में छात्र और कर्मचारी ग्राम पंचायत चुनावों में सही प्रतिनिधि चुनने के लिए वोट देने के अधिकार और मतदान की आवश्यकता के बारे में ग्रामीणों से बात करके लोकतंत्र और सशक्तिकरण की शक्ति का प्रदर्शन करते हैं।

**अंतर धार्मिक बहस :–** महाविद्यालय में एक ओपन हाऊस जहाँ छात्र अंतर धार्मिक विवाह जैसे मुद्दों पर बहस करते हैं और विभिन्न स्थानीय परम्पराओं और लोककथाओं का महत्व बताते हैं। अपने समाज में एक–दुसरी जाति के रिति–रिवाज, रस्में अपनी जीवन शैलियाँ आदि से एक–दूसरे को परिचित करवाते हैं और इन सब के पीछे के कारण को जानने का प्रयास करते हैं।

**प्रदुषण प्रतिबन्ध कार्यक्रम :–** प्रदुषण से बचने के लिए लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने, सड़कों के किनारे घने वृक्ष लगाना, कल–कारखानों को आबादी से दूर रखना, प्रदुषित मल को नष्ट करना, जैसे कार्यक्रम चलाकर प्रदुषण को कम करने के लिए समाज को जागरुक करते हैं।

**कैरियर मार्गदर्शन में महाविद्यालय :–** कैरियर मार्गदर्शन में छात्रों को प्रासंगिक शैक्षणिक और कैरियर संबधी जानकारी प्रदान करता है। जिससे वे सही निर्णय ले सकें। हमारा ध्यान शैक्षणिक कैरियर और व्यक्तिगत / सामाजिक विकास के क्षेत्रों में सीखने और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करने और छात्रों को उनके भविष्य में चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना।

**महाविद्यालय में प्लेसमेंट सुविधा :–** कैरियर मार्गदर्शन हमारे विद्यार्थियों के लिए कैम्पस साक्षात्कार, नौकरी प्लेसमेंट और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्षेत्रों में सराहनीय सेवाएँ प्रदान करता है। जिससे उन्हें प्रतिस्पर्धा नौकरी बाजार में उपयुक्त कौशल विकसित करने में मदद मिलती है। छात्रों के सर्वांगिण विकास के लिए व्यक्तित्व विकास, पारस्परिक संबंध, संचार कौशल, साक्षात्कार कौशल और प्रस्तुति कौशल पर कार्यशालाएँ और सेमिनार भी आयोजित करता है।

छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों और प्रतिष्ठित संस्थानों से प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाता है।

**महाविद्यालय में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना :–** वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय द्वारा छात्रों के लिए वैज्ञानिक प्रदर्शनी तथा विज्ञान मेले का आयोजन किया जाता है। वैज्ञानिक प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा आकर्षक प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये जाते हैं। विज्ञान व प्रौद्योगिक मंत्रालय ने एक बहुत बेहतरीन योजना के तहत विद्यार्थियों के बीच वैज्ञानिक प्रोजेक्ट की प्रतिस्पर्धा शुरु की है। इस के तहत महाविद्यालय में छात्रों को अपने प्रोजेक्ट बनाकर प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वैज्ञानिक प्रोजेक्ट छात्र को भविष्य में वास्तविक जीवन में वैज्ञानिक प्रोजेक्ट पर कार्य करने की तैयारी प्रदान करता है। प्रोजेक्ट में भाग लेकर गए विद्यार्थी एक नयी ऊर्जा व जोश से भरे हुए होते है तथा उनमें समाज को कुछ नया अविष्कार कर के देने का जुनून सवार रहता है। अंधविश्वास मिटाने के लिए महाविद्यालय में जादुगर के कार्यक्रमों द्वारा हाथ की सफाई एवं विज्ञान के चमत्कार को दर्शाया जाता है।

**सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ :–** पाठ्यक्रम के साथ–साथ महाविद्यालय में सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ भी संचालित होती है। ये गतिविधियाँ छात्रों में बौद्धिक, शरीरिक, मानसिक विकास में सहभागी होती है। इन सभी गतिविधियों के कारण छात्र उच्च स्तर पर समाज में या राजनीति में या कोई अन्य स्थान पर स्वतंत्र रुप से अपने विचारों को प्रकट कर सकता है, इन गतिविधियों में से प्रमुख गतिविधियाँ जो महाविद्यालय में की जाती है वो निम्न है – खेल, संगीत, बहस, कला, नाटक, बहस और चर्चा , भाषण प्रतियोगिता, कहानी लेखन प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, कला प्रतियोगिता, लोक संगीत, लोक नृत्य, चार्ट और मॉडल की तैयारी सामूहिक परेड, योग, व्यायाम, सामुहिक प्रार्थना, प्राथमिक चिकित्सा, रंगोली डिजाईन, चुनाव का आयोजन इत्यादि।

## शिक्षा नीति 2020 :

महाविद्यालय की सम्पूर्ण शिक्षा पद्वतियाँ नयी शिक्षा नीति 2020 के अनुसार संचालित होती है। नई शिक्षा नीति ने विद्यालय, महाविद्यालय तथा विश्व विद्यालय की शिक्षा में सुधार किया है। इस शिक्षा पद्वति का उद्देश्य भारतीय लोकचार में निहित एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है जो सभी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके भारत को बदलने में सीधे योगदान दे। जिससे भारत एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बन सकें।

## महाविद्यालय कार्यशालाएँ सेमिनार :

महाविद्यालय में छात्रों के लिए प्रेरक कार्यशालाएँ सेमिनार रखे जाते है। यदि हम सही तरीके से युवाओं की क्षमता का दोहन करके सामाजिक–आर्थिक विकास को आगे बढ़ायें तो भारत पुनः महाशक्ति बन सकता है। इसी को ध्यान में रखकर निदेशक द्वारा महाविद्यालय में प्रेरक कार्यशालाएँ सेमीनार रखे जाते हैं। सीखने में समस्या, ध्यान की कमी, उलझन, असंगति, समय प्रबंधन, मानसिक अस्थिरता, असंयम, घबराहट और अवसाद का सामना करने वाले छात्र ऐसे सत्रों में भाग लेने के बाद अद्वितीय और विलक्षण अनुभव महसुस करते है। वे हमारे आकर्षक और जानकारी पूर्ण सत्रों के माध्यम से अपने लक्ष्यों में स्पष्टता, आत्मविश्वास में वृद्धि, दृढ़ संकल्प, ध्यान, सकारात्मकता और एक शांत, ध्यानपूर्ण और शांतिपूर्ण मन का अनुभव करते हैं। उत्कृष्ट सेमिनार सत्र समस्या समाधान कौशल परीक्षा की तैयारी के लिए सुझाव और यथार्थवादी तरीके से लक्ष्य प्राप्त करने के सुझावों पर ध्यान केन्द्रित करता है। शांत और शांतिपूर्ण मन के साथ एक सार्थक जीवन जीते हुए रिश्ते के मुद्दों का सही तरीका भी सत्र का एक हिस्सा है।

## महाविद्यालय में भारतीय समाज सुधार वाले कार्यक्रम :

महाविद्यालय में भारत को विकसित, समृद्ध, शिक्षित और सम्मानित बनाने के लिए भारतीय समाज को सुधारने वाले मुद्दों पर चर्चाएँ की जाती है, जो निम्न प्रकार है :–

**(1) जातिवाद को खत्म करो :–** भारतीय संस्कृति का सबसे बुरा हिस्सा इसकी जाति व्यवस्था है। इसने समाज को हजारों जातियों और उपजातियों में विभाजित कर दिया है। यह जातिवाद से जुड़ी कई हिंसा, समाज में अविश्वास और जातिवाद आधारित राजनीति के लिए जिम्मेदार है। जब तक हम अपने समाज में जातिवाद की बुराई को खत्म नहीं करेंगें तब तक हमें भारत को एक समाज और एक राष्ट्र बनाने के बारे में भूल जाना चाहिए।

**(2) आरक्षण के वर्तमान स्वरुप महाविद्यालय में :–** भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा कमजोर वर्गों को आरक्षण प्रदान किया जाता है। महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्र जिसमें SC / ST / OBC / EWS आदि पिछड़ी जातियों को सरकार द्वारा आरक्षण दिया जाता है। जिससे छात्र उच्च शिक्षा का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। सरकार द्वारा आरक्षण के माध्यम से सभी वर्गों के छात्र–छात्राओं को एक रुप से समान अधिकार देने का प्रयास किया जा रहा है। इस आरक्षण के माध्यम से निम्न वर्गो के छात्र अपनी इच्छा के अनुरुप पढ़ाई कर सकते हैं।

**(3) भ्रष्टाचार रोकने के लिए कानूनों में संशोधन करें :–** महाविद्यालय में भ्रष्टाचार को कम करने के लिए भ्रष्टाचार पर चर्चाएँ की जाती है। भारत मे भ्रष्टाचार का श्रेय अप्रभावी कानुनों और भारतीय समाज द्वारा भ्रष्टाचार को सामाजिक स्वीकृति को जाता है। भ्रष्ट नेता जेल में होने और भ्रष्टाचार के दोषी ठहराये जाने के बावजूद चुनाव जीत जाते हैं और ईमानदार चुनाव हार जाता है। भ्रष्ट नेताओं का बहिष्कार किया जाना चाहिए न कि उन्हें महिमा मंडित और सम्मानित किया जाना चाहिए।

**(4) लैंगिक समानता :–** महाविद्यालय में लैंगिक असमानता जैसी विशेष बुराई को खत्म करने पर चर्चाएँ की जाती है। प्रगति के बावजूद भारतीय समाज में लैंगिक असमानता एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनी हुई है। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने लैंगिक आधारित हिंसा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक असमान पहुँच और कार्यस्थल पर भेदभाव जैसे मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रयास करते हैं।